

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4480
शुक्रवार, 19 जुलाई, 2019 को उत्तर दिए जाने के लिए

बादल फटना

4480. श्री तीरथ सिंह रावत:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों, विशेषकर गढ़वाल के विभिन्न संभागों में बादल फटने की घटनाएं बार-बार हो रही हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या पूर्व मौसम चेतावनी प्रणाली की अनुपस्थिति में भारी नुकसान होता है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ग) क्या सरकार के पास ऐसी घटनाओं का अनुमान लगाने के लिए कोई तकनीक है या विकसित करने का विचार है ताकि ऐसी गंभीर आपदाओं से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके; और
- (घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री
(डॉ. हर्ष वर्धन)

- (क) जी, हाँ। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाएं अक्सर हो रही हैं। अधिकतर हिमालय के दक्षिणी रिम के आसपास बादल फटने की घटनाओं की रिपोर्ट मिलती हैं जो सामान्यतः 20-30 किमी के एक छोटे से भौगोलिक क्षेत्र में 1000 मीटर से 2500 मीटर की ऊंचाई रेंज के बीच घटित होती हैं जहाँ एक घंटे में 100 मिमी से अधिक वर्षा होती है।

गढ़वाल क्षेत्र के अनेक भागों में बादल फटने की घटनाएं हो रही हैं। बादल फटने की एक ताजा घटना चमोली जिले में गैरसैन क्षेत्र के लामबगढ़ गाँव में 2 जून, 2019 को और दूसरी घटना 4 जुलाई, 2019 को गढ़वाल क्षेत्र में रुद्रप्रयाग जिले के अगस्तमुनि इलाके के चार्नसिंग गाँव में होने की सूचना मिली है।

हिमालय में बादल फटने की घटनाएं अपेक्षाकृत छोटे क्षेत्र में होती हैं, जिसके कारण उनका रिकॉर्ड/रिपोर्ट प्राप्त होना बहुत कठिन होता है।

समाचार पत्रों जैसे विभिन्न स्रोतों की रिकॉर्डिंग के ताजा संकलन के अनुसार हिमालय के दक्षिणी रिम में 1970-2016 की अवधि के दौरान, बादल फटने की 30 घटनाएं हुई हैं और उन घटनाओं में से बादल फटने की 17 घटनाएं उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में हुई हैं।

(ख) जी, हाँ। बादल फटने की घटनाओं के कारण बहुत नुकसान होता है। तथापि, इस प्रकार होने वाले नुकसान का विवरण भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के पास उपलब्ध नहीं है।

(ग) और (घ) आईएमडी में पूर्व-चेतावनी प्रणाली का उन्नयन और संवर्धन एक सतत् प्रक्रिया है। मौसम की पूर्वानुमान प्रणाली में सुधार होने से, जान-माल के नुकसान में कमी आने का अनुमान है। आईएमडी अगले 5 दिनों के लिए पूर्वानुमान और चेतावनी के साथ गढ़वाल क्षेत्र सहित पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र के लिए 'पर्वतीय मौसम समाचार' जारी कर रहा है। इसके साथ, आवश्यक होने पर, मौसम विज्ञान केन्द्र, देहरादून द्वारा इस क्षेत्र के लिए अनुमानित खराब मौसम की तीव्रता के साथ-साथ तूफान की तात्कालिक चेतावनियां जारी की जाती हैं। बादल फटने और तात्कालिक जानकारी का पता लगाने में मदद के लिए आईएमडी पश्चिमोत्तर के हिमालयी राज्यों यथा जम्मू एवं कश्मीर, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में 10 एक्स-बैंड रडार स्थापित करेगा।
